दिल्ली पब्लिक स्कूल, जम्मू
सत्र - 2024-25
अर्धवार्षिक परीक्षा (SAMPLE PAPER)

कक्षा दसवीं

<u>सामान्य निर्देश :</u>

1. **प्रश्न-पत्र में चार खंड हैं।**
2. **प्रश्नों में उचित आन्तरिक विकल्प दिए गए हैं ।**
3. **निर्देशानुसार सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
4. **सभी प्रश्नों के उत्तर यथासंभव क्रमानुसार देने का प्रयास करें**

	खंड-क				
1.	**निम्नलिखित गद्यांशों के उत्तर दिए गए विकल्पों से चुनकर लिखिए ।**				
	नैतिक शिक्षा के दो पहलू हैं- सकारात्मक एवं नकारात्मक । पहले पक्ष के अन्तर्गत आते हैं- सत्य, अहिंसा, परोपकार और करुणा। ये ही गुण परहित के कारण हैं और परहित को गोस्वामी तुलसीदास ने परम धर्म कहा है। इसके विपरीत नकारात्मक पहलू के अन्तर्गत आते हैं-काम, क्रोध, मोह, लोभ, दुर्वचन आदि। इन्हीं अवगुणों से दूसरों को पीड़ा पहुँचती है और पीड़ा को तुलसीदास ने अधर्म या पाप कहा है। यदि छात्रों को नैतिक शिक्षा दी जाएगी तो वे सन्मार्ग पर चलेंगे, अपनी आत्मा को शुद्ध बनाकर अपना और देश दोनों का हित करेंगे। इसके विपरीत आचरण करने पर छल-कपट कर, अनुशासन भंग कर स्वयं अपना जीवन भी नष्ट करेंगे और समाज में अराजकता फैलाकर देश को दुर्बल बनाएँगे। यदि विद्यार्थी जीवन से ही छात्रों को सही मार्गदर्शन मिले तो निश्चित रूप से सभ्यता और संस्कृति का बीजारोपण हो जाता है। यही वह अवस्था है जिसमें अच्छे नागरिकों का निर्माण होता है इसलिए नैतिकता की शिक्षा हम शिक्षण संस्थाओं में पाठ्यक्रम का अंग बनाकर दे सकते हैं।				
	(i) नैतिक शिक्षा के सकारात्मक पहलू के अन्तर्गत कौन-कौन से गुण आते हैं?				
	(A) सत्य	(B) अहिंसा	(C) परोपकार	**(D)** तीनों ठीक है	
	(ii) किन अवगुणों से लोगों को पीड़ा पहुंचती है?				
	(A) क्रोध- मोह	**(B) लाभ - हानि**	**(C) दीन - हीन**	**(D) सत्य -अहिंसा**	
	(iii) गोस्वामी तुलसीदास जी ने किसे अधर्म कहा है?				
	(A) पुण्य	(B) सफलता	(C) पाप	(D) सभी ठीक है	
	(iv) नकारात्मक पहलू के परिणाम क्या होंगे ?				
	(v) पाठशालाएँ सकारात्मक एवं नैतिक शिक्षा के लिए कौन-से कदम उठा सकते हैं?				
	कहते हैं न कि 'मन के हारे हार है, मन के जीते जीत' अर्थात यदि आप आत्मविश्वास से भरपूर हैं तो आपकी जीत निश्चित है, जरा-सा भी मन विचलित हुआ नहीं कि आपको हार ने जकड़ लिया। इसीलिए मनुष्य में आत्मविश्वास का होना अत्यंत आवश्यक है। कितनी भी कठिन परिस्थिति क्यों न हो, यदि आप में आत्मविश्वास है तो आप बिना विचलित हुए अपने कार्य को सहजता से पूरा कर लेंगे। मिसाइल मैन के नाम से विख्यात और भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ० ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का बचपन काफ़ी गरीबी में बीता। अपनी पढ़ाई पूरी करने के लिए उन्हें अपने गृह नगर रामेश्वरम् में अख़बार तक बेचना पड़ा। एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में विशेषज्ञता के साथ प्रसिद्धि प्राप्त करने वाले डॉ० कलाम एक फाइटर पायलट बनना चाहते थे, किंतु उनका यह सपना साकार नहीं हो पाया, क्योंकि वे वायुसेना में उपलब्ध आठ स्थानों में नौवें स्थान पर आए, लेकिन उन्होंने अपने इस सपने की असफलता और पारिवारिक मज़बूरियों को अपने जीवन की बाधा नहीं बनने दिया। यदि वे अपने जीवन में इस असफलता से निराश होकर सफल होने की कोशिश नहीं करते तो आज पूरी दुनिया एक असाधारण रूप से प्रतिभाशाली वैज्ञानिक की हैरतअंगेज़ कामयाबियों से वंचित रह जाती। एक अन्य प्रसंग श्री हनुमान जी का भी ले सकते हैं कि रावण की लंका में प्रवेश कर, मुख्य भवनों को ध्वस्त कर रावण के सामने वे जिस निडरता के साथ उपस्थित हुए, वह सब केवल उनका आत्मविश्वास ही था। सच है कि आत्मविश्वास मानव जीवन में सफलता की सबसे बड़ी सीढ़ी है। यह एक ऐसा अस्त्र है, जिसके बल पर दुनिया के किसी भी लक्ष्य शको प्राप्त किया जा सकता है। आत्मविश्वास से आत्मबल प्राप्त होता है और यही मनुष्य को लोहे से भी मज़बूत बनाता है। अतः हम जीवन में कितनी ही कठिन परिस्थितियों और मुसीबतों में क्यों न घिर जाएँ, हमें आत्मविश्वास नहीं छोड़ना चाहिए।				
	(i) डॉ० अब्दुल कलाम किस नाम से विख्यात हैं?				

	(A) मिसाइल मैन	(B) परमाणु आदमी	(C) मशीनी मानव	(D) इनमें से कोई नहीं	
	(ii) मानव जीवन में सफलता की सीढ़ी क्या है?				
	(A) विशेषज्ञता	(B) वैज्ञानिकता	(C) आत्मविश्वास	(D) आत्मबल	
	(iii) डॉ. कलाम क्या बनना चाहते थे?				
	(A) इंजीनियर	(B) डॉक्टर	(C) फाइटर पायलट	(D) वकील	
	(iv) डॉ० अब्दुल कलाम का बचपन का जीवन कैसे बीता है ?				
	(v) आत्मविश्वास को लेकर हनुमान जी का उदाहरण किस प्रकार दिया है?				
	खंड-ख				
2.	**(i) निम्नलिखित प्रश्नों को पढ़कर किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।**				
	(A) तन्तारा की तलवार एक विलक्षण रहस्य थी ।(रेखांकित पद में कौन-सा पदबंध है ?)				
	(B) अधिक परिश्रम करने से वह सफलता प्राप्त कर सका ।(इस वाक्य में सर्वनाम पदबंध रेखांकित कीजिए ।)				
	(C) सामान्यतया वाक्यांश के अंत में कौन-सा पदबंध होता है ?				
	(D) संज्ञा अथवा सर्वनाम की विशेषता किस पदबंध में बताई जाती है ?				
	(E) कछुआ बहुत धीमी गति से चलता है । (रेखांकित पद में कौन-सा पदबंध है ?)				
	(ii) निम्नलिखित प्रश्नों को पढ़कर किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।				
	(A) जब-तब, जैसे ही- वैसे ही, चूँकि, कि,जैसा-वैसा, यदि,अगर आदि किस वाक्य की पहचान है ?				
	(B) बगल के कमरे से कुछ बर्तन लाकर साफ़ किया । (रचना के आधार पर वाक्य भेद लिखिए)				
	(C) चाय पीने की एक विधि है, जिसे जापानी में चा-नो-यू कहते हैं ।(रचना के आधार पर वाक्य भेद लिखिए)				
	(D) रचना के आधार पर वाक्य के कितने भेद हैं ?				
	(iii) निम्नलिखित प्रश्नों को पढ़कर किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।				
	(A) यथा, आ, प्रति, वि, सु आदि अव्यय पद किस समास में आता है ?				
	(B) संख्यावाचक विशेषण किस समास में आता है ?				
	(C) सत्याग्रह और गुरुदक्षिणा में कौन-सा समास है ?				
	(D) बहुव्रीहि समास के दो उदाहरण लिखिए ।				
	(E) भीमार्जुन, सुरासुर, हरिहर, शीतोष्ण आदि शब्दों में कौन-सा समास है ?				
	(iv) निर्देशानुसार उत्तर दीजिए । (कोई चार)				
	(A) बड़े भाई ने छोटे भाई को .... लिया । उपयुक्त मुहावरे से वाक्य पूरा करो ।				
	(B) 'अंधे के हाथ बटेर लगना' मुहावरे का अर्थ क्या है ?				
	(C) बाधा उत्पन्न करने के लिए कौन-सा मुहावरा पर्युक्त होगा ?				
	(D) वामीरो से मिलने के बाद तन्तारा के .... बैठा ।				
	(E) 'ज़मीन पर पाँव न पड़ना' मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य लिखिए ।				
3.	**गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए-**				
	रावण भूमंडल का स्वामी था। ऐसे राजाओं को चक्रवर्ती कहते हैं। आजकल अंग्रेजों के राज्य का विस्तार बहुत बढ़ा हुआ है, पर इन्हें चक्रवर्ती नहीं कह सकते। संसार में अनेक राष्ट्र अंग्रेज़ों का आधिपत्य स्वीकार नहीं करते, बिलकुल स्वाधीन हैं। रावण चक्रवर्ती राजा था, संसार के सभी महीप उसे कर देते थे। बड़े-बड़े देवता उसकी गुलामी करते थे। आग और पानी के देवता भी उसके दास थे, मगर उसका अंत क्या हुआ ? घमंड ने उसका नामो-निशान तक मिटा दिया, कोई उसे एक चुल्लू पानी देने वाला भी न बचा। आदमी और जो कुकर्म चाहे करे, पर अभिमान न करे, इतराये नहीं। अभिमान किया और दीन-दुनिया दोनों से गया।				
	(i) रावण कौन था ?				

	(a) अयोध्या का राजा	(b) देवताओं का दास	
	(c) भूमंडल का स्वामी	(d) अंग्रेज़ों का मददगार	
	(ii) 'नामो-निशान मिटाना' का अर्थ है?		
	(a) कहीं का न रहना	(b) नाम लिखकर मिटाना	
	(c) सब कुछ नष्ट करना	(d) इनमें से कोई नहीं।	
	(iii) रावण चक्रवर्ती सम्राट क्यों था ? क्योंकि		
	संसार के सभी राजा उसे कर देते थे।	बड़े-बड़े देवता उसकी गुलामी करते थे।	
	आग और पानी के देवता भी उसके दास थे।	उपरोक्त सभी।	
	(iv) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।		
	कथन (A): घमंड ने रावण का नामो-निशान मिटा दिया। कारण (R): क्योंकि रावण बहुत अहंकारी था।		
	(i) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं।	(ii) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।	
	(iii) कथन (A) सही तथा कारण (R) गलत है।	(iv) कथन (A) गलत तथा कारण (R) सही है।	
	(v) कौन,किसे रावण का उदाहरण देकर समझा रहे थे ?		
	(a) राम, रावन को	(b) भाई साहब, लेखक को	
	(c) लेखक, अपने पिता को	(d) पाठक , श्रोता को	
4.	**निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 25--30 शब्दों में लिखिए ।**		
	एक दिन जब गुल्ली-डंडा खेलने के बाद छोटा भाई बड़े भाई के सामने पहुँचा तो उनकी क्या प्रतिक्रिया हुई ?		
	26 जनवरी 1931 के दिन को अमर बनाने के लिए क्या-क्या तैयारियाँ की गई ?		
	तताँरा वामीरो कथा कहानी के आधार पर आपके मस्तिष्क में गाँव वालों की कैसी छवि बनती है?		
	अपने जीवन की किसी ऐसी घटना का उल्लेख कीजिए जब शुद्ध आदर्श से आपको हानि या लाभ हुआ हो।		
5.	**निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।**		
	जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाँहि। सब अँधियारा मिटि गया, जब दीपक देख्या माँहि ॥ सुखिया सब संसार है, खायै अरू सोवै। दुखिया दास कबीर है, जागै अरू रोवै ॥		
	(i) 'जब मैं था तब हरि नहीं', कथन में 'मैं' किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ?		
	(a) कवि के लिए	(b) हरि के लिए	
	(c) अपने लिए	(d)अहंकार के लिए।	
	(ii) कवि के अनुसार, सांसारिक सुखों की प्राप्ति किससे होती है?		
	(a) खाने-पीने से	(b) सोने से	
	(c) (क) और (ख) दोनों से	(d) इनमें से कोई नहीं।	
	(iii) कबीर दुःखी हैं क्योंकि -		
	(a) वे गरीब हैं	(b) वे अज्ञानी	
	(c) ईश्वर को प्राप्त नहीं कर सके	(d) उनके पास धन नहीं है।	
	(iv) प्रस्तुत साखी में 'दीपक' किसका प्रतीक है?		
	(a) प्रकाश का	(b) व्यक्ति विशेष का	
	(c) ज्ञान का प्रतीक	(d) दीये का	
	(v) निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए -		
	(a) दीपक देखने से अहंकार रूपी अँधियारा मिट गया।		
	(b) दीपक देखने से अज्ञान रूपी अँधियारा मिट गया।		
	(c)दीपक देखने से घर का अँधियारा मिट गया।		
	(c) दीपक देखने से आकाश का अँधियारा मिट गया।		

	(d)पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प चुनिए-				
	(a) (1) और (2)	(b) केवल (2)	(c) केवल (1)	(d) केवल (3)	
6.	**निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में लिखिए।**				
	(क) समुद्र ने अपना क्रोध किस रूप में व्यक्त किया ?				
	(ख) 'मनुष्य मात्र बन्धु है' से आप क्या समझते हैं ?				
	(ग) निकोबार के लोग तन्तारा को क्यों पसंद करते थे ?				
	खंड-घ				
7.	**निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80 -100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।**				
	(i) आधुनिक भारत की समस्याएँ				
	संकेत बिंदु:- भारत की समस्याएँ,समस्याओं के रूप, समस्याओं का समाधान, निष्कर्ष				
	(ii) पर्यावरण प्रदूषण				
	संकेत बिंदु:- पर्यावरण का अर्थ और स्वरूप, पर्यावरण प्रदूषण कारण, प्रदूषण प्रकार,पर्यावरण का समाधान				
	(iii) नर हो न निराश करो मन को				
	संकेत बिंदु:- आत्मविश्वास और सफलता, आशा से संघर्ष में विजय,कुछ भी असंभव नहीं महापुरुषों की सफलता का आधार।				
8.	**बस में छूटे सामान का पता लगाने के लिए दिल्ली परिवहन निगम के प्रबंधक को 80-100 शब्दों में पत्र लिखिए।**				
	अथवा				
	क्षेत्र में फैली गंदगी की ओर ध्यान आकर्षित कराते हुए स्वास्थ्य अधिकारी को 80-100 शब्दों में पत्र लिखिए।				
9.	**सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय,भारत सरकार द्वारा 'स्वच्छ भारत'शीर्षक हेतु स्लोगन/नारा लिखे जाने हेतु 40-50 शब्दों में सूचना तैयार कीजिए।**				
	अथवा				
	'प्रतिभा खोज प्रतियोगिता' हेतु नामांकन की 40-50 शब्दों में सूचना तैयार कीजिए।				
10.	**'निक्स प्रिंटर' नाम से 25-50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन बनाइए।**				
	अथवा				
	'खिलौनों की दुकान' का एक आकर्षक विज्ञापन बनाइए।				
11.	**दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर 100-120 शब्दों में लघु कथा लिखिए।**				
	रूपनगर के राजा के दो बेटे- अवधेश और विक्रम। दोनों जंगल शिकार के लिए जाना। नदी में नहाना। विक्रम का पानी में बह जाना। अवधेश का लकड़ी का उस ओर फेंकना। विक्रम का लकड़ी को न पकड़ पाना। सब शोकाकूल। एक सन्यासी के साथ विक्रम का लौटना .... **अथवा** **अपने नए मकान में गृह प्रवेश के उपलक्ष्य में आयोजित प्रीतिभोज में सम्मिलित होने के लिए अपने मित्र को ई-मेल द्वारा निमंत्रण भेजिए जिसमें सपरिवार पधारने का निवेदन किया गया हो।**				